ना मैं मीरा ना मैं राधा फिर भी श्याम को पाना है

ना मैं मीरा ना मैं राधा,
फिर भी श्याम को पाना है ।
पास हमारे कुछ भी नहीं,
केवल भाव चड़ाना है ॥

जब से तेरी सूरत देखि,
तुम में प्रेम की मूरत देखि ।
अपना तुम्हे बनाना है,
अपना तुम्हे बनाना है ॥

और किसी को क्या मैं जानू,
अपनी लगन को सब कुछ मानू ।
दिल का दरद सुनाना है,
दिल का दरद सुनाना है ॥

जनम जनम से भटकी मोहन,
युग युग से मैं भटकी प्रीतम ।
अब ना तुम्हे भुलाना है,
अब ना तुम्हे भुलाना है ॥

स्वर : पूज्य कृष्ण चन्द्र शास्त्री (ठाकुर जी)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/454/title/naa-main-meera-naa-main-raadha-fir-bhi-shyam-ko-paana-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |